Title: Demand to retain the Army recruitment centre at Jhunjhunu, Rajasthan.

श्री शीश राम ओला (झुंझुनू) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण मसले की और दिलाना चाहता हूं। मैं झुंझुनू जिले की कांस्टीट्यूएंसी नम्बर चार, राजस्थान से लोक सभा में आता हूं। झुंझुनू जिले में पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के जमाने से भर्ती दफ्तर है। 1962 से चाइना अग्रेशन के पहले से वहां के जवानों को जयपुर का जो रिक्रूटिंग आफिसर है, जिसके तहत झुंझुनू आता है, वे कोटा, बारा, जैसलमेर बाड़मेर, झालावाड़ आदि स्थानों पर भेजते हैं। जहां कहीं भी भर्ती का दफ्तर नहीं है। झुंझुनू में मेडिकल आफिसर, रिक्रुटिंग आफिसर एवं सारा स्टाफ है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : राजीव प्रताप रूड़ी जी, हाउस में ऐसा करना ठीक नहीं है।

श्री शीश राम ओला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि वह स्थान, जहां वे भर्ती के लिए भेजे जाते हैं, 700-800-900 किलोमीटर की दूरी पर झुंझुनू से पड़ता है। उन्हें वहां आने-जाने में चार दिन खर्च होते हैं। उनके कम से कम दो-ढाई हजार रुपए खर्च होते हैं। यह जरूरी नहीं है कि सारे भर्ती हो जाएं। उनमें कोई भर्ती होता है, कोई नहीं होता है। आर्मी के लिए भर्ती की एक प्रक्रिया है। वहां से तीन बार जाना पड़ता है - पहली बार परीक्षा देने के लिए, दूसरी बार भर्ती के लिए और तीसरी बार फाइनल मेडीकल के लिए जाना पड़ता है। अब अजमेर की बजाए जयपुर, राजस्थान के रिक्रुटिंग आफिस का हैड क्वार्टर हो गया है, मैं नहीं समझता कि वे क्या कारण समझते हैं। झुंझुनू के जवान आर्मी में सर्वाधिक हैं।â€¦ (व्यवधान) आबादी के हिसाब से राट्र में झुंझुनू के जवान सर्वाधिक हैं। उन्हें कोटा, बूंदी, झालावाड़ भेजना गलत है। इसकी जांच करवा कर इसके पीछे क्या कारण है, यह बताया जाए ताकि उन्हें संतोा हो सके, जब कि वहां पर रिक्रुटिंग आफिस पूरे स्टाफ के साथ मौजूद है। धन्यवाद।